कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

1. कॉर्पोरेट जानकारी

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड ('कॉर्पोरेशन') भारत में निवासी एक सरकारी कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत 19 जुलाई,1990 को इसकी स्थापना की गई। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेलापुर भवन, प्लाट संख्या 6, सेक्टर 11, सीबीडी-बेलापुर, नवी मुंबई 400614 पर स्थित है।

कॉर्पोरेशन रेलवे द्वारा यात्री और माल परिवहन सेवाओं के साथ-साथ क्षेत्रीय रेलवे और अन्य एजेंसियों के लिए परियोजना सेवाओं के साथ जुड़ा हुआ है।

कंपनी के बांड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं।

29मई, 2024 को कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण जारी करने के लिए अनुमोदन प्रदान किया है ।

2. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

ए. स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करने के आधार

कॉर्पोरेशन के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (इंडियन ए.एस.) के अनुसार तैयार किए गए हैं और इसके बाद में संशोधन तथा कंपनी अधिनियम 2013 के प्रासंगिक प्रावधान, जैसा कि लागू होते हैं। इस वर्ष के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार तैयार किए गए हैं।

स्टौंडअलोन वित्तीय विवरण संबंधित कार्यरत के आधार पर तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरण परंपरागत लागत और वास्तविक अवधारणा आधार पर तैयार किए गए हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को आईएनआर में प्रस्तुत किया जाता है जो कॉर्पोरेशन की कार्यात्मक मुद्रा है और प्राथमिक परिवेश की मुद्रा है जिसमें कॉर्पोरेशन कार्य करता है, तथा सभी राशियों को निकटतम लाख रुपये (आई.एन.आर. 00,00,000) में पूर्णांकित किया जाता है, जो कि अन्यथा इंगित न किए गए स्थान को छोड़कर दो दशमलव स्थान तक होते हैं।

2.2लेखांकन आकलन

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानक मान्यता और मापन सिद्धांतों के के अनुसार तैयार किए हैं, जिनके लिए आकलन और मानताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जो परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशि और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की तारीख को आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण को तथा रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान परिचालन परिणामों को प्रभावित करते हैं । हालांकि यह आकलन वर्तमान घटनाओं और कार्यों के बारे में प्रबंधन के

सबसे अच्छे ज्ञान पर आधारित हैं, वास्तविक परिणाम इन आकलनों से अलग हो सकते हैं, जो निर्धारित किए गए अवधि में मान्यता प्राप्त हैं।

आकलन और मान्यताएं

रिपोर्टिंग तिथि पर भविष्य और अनुमान अनिश्चितता के अन्य प्रमुख स्रोतों से संबंधित प्रमुख मान्यताएं, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देनदारियों की राशि सामग्री समायोजन का एक महत्वपूर्ण जोखिम है, जिसे नीचे वर्णित किया हैं। जब स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार किए गए, तब कंपनी ने अपनी मान्यताओं और आकलन के उपलब्ध मापदंडों के आधार पर तैयार किया था। मौजूदा परिस्थितियों और भविष्य के विकास के बारे में धारणाएं, हालांकि, बाजार में बदलाव या उन परिस्थितियों के कारण बदल सकती हैं जो कंपनी के नियंत्रण से बाहर हैं। अवधि,जिसमें परिवर्तन किए गए हैं उन परिवर्तनों को स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में परिलक्षित किया गया है, यदि सामग्री में परिवर्तन है तो उस का प्रभाव को स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रकट किया गया है।

बी. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और मूल्यह्रास

I. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी आइटम की लागत को परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाएगी यदि, और केवल यदि:
(ए) यह संभव है कि आइटम से जुडे भविष्य के आर्थिक लाभ के परिणाम कंपनी पर होंगे; और
(बी) आइटम की लागत का विश्वसनीय रूप से मापन किया जा सकता है।

ii. उपयोग में आने वाली संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों को लागत पर दिखाया गया है जिसमें व्यापार छूट को कम करते हुए और संचित मूल्यह्रास तथा संचित हानि को कम करते हुए खरीद मूल्य, आयात शुल्क और गैर-वापसी योग्य खरीद कर शामिल की गई हैं, यदि कोई हो। स्थायी परिसंपत्तियों को प्रभावित करने वाली उधारी से संबंधित विदेशी मुद्रा विनियम घट-बढ़ने के कारण होने वाले समायोजन विदेशी मुद्रा ऋणों से खरीदी गयी परिसंपत्तियों के साथ किए जाते हैं। ऋण की लागत योग्य परिसंपत्तियों के निर्माण या उत्पादन का कारण होती है और मान्यता मानदंड प्राप्त होते हैं तो इन्हें उस परिसंपत्ति के लागत के भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है।

iii. बाद की लागतों को परिसंपत्ति की वहन राशि में शामिल किया जाता है या एक अलग परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है, यह तभी उचित है जब यह संभव हो कि आइटम से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ के परिणाम कंपनी पर होंगे और लागत का विश्वसनीय रूप से मापन किया जा सकता है।

iv. निगम अपनी परिसंपत्तियों की वहन लागत को डीकमीशनिंग की लागत के आधार पर समायोजित करने पर विचार करता है, यदि वह महत्वपूर्ण हो।

v. भूमि के अलावा अन्य अचल संपत्तियों के मामले में मध्यस्थता दावे की राशि और 26.01.1998

(पूंजीकरण की तारीख) तक का ब्याज अचल संपत्तियों में जोड़ा गया है। 26.01.1998 के बाद भुगतान किया गया ब्याज राजस्व में जोड़ा जाएगा।

vi. जब बड़े पैमाने पर प्रतिस्थापन या रख-रखाव कार्य किया जाता है, तो इसकी लागत को संयंत्र और उपकरण की वहन राशि में शामिल किया जाता है, यदि मान्यता मानदंड उचित हैं और पुरानी संपत्तियों का सकल ब्लॉक और मूल्यह्रास ब्लॉक ब्लॉक से हटा दिया गया है। अन्य सभी मरम्मत और रख-रखाव लागतों को लाभ या हानि के रूप में मान्यता दी गई है।

vii. जैसा कि भारतीय लेखांकन मानक 16 द्वारा अपेक्षित मूल्यह्रास की गणना लेखांकन घटक से की जाती है। यदि कुल मूल्य लागत की तुलना में परिसंपत्ति के घटक मूल्य महत्वपूर्ण होते हैं और इनकी उपयोगी अवधि भिन्न होने पर परिसंपत्ति मूल्यह्रास अवधि की गणना प्रत्येक ऐसे घटक के लिए अलग से की जाती है। तदनुसार ऐसे घटक के मूल्यह्रास की गणना की गई है।

viii. कंपनी अधिनियम,2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी अवधि के अनुसार निम्नानुसार मदों को छोड़कर स्ट्रेट-लाइन पद्धति के तहत मूल्यह्रास प्रभारित की गई हैः-

परिसंपत्ति का विवरण	**परिसंपत्ति की अवधि (वर्षों में)**	**मूल्यह्रास के लिए आधार**
पट्टे पर दी गई भूमि		लीज करार के अनुसार
पुल	80	अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन कोड के अनुसार
सुरंगे	80	
रेलपथ,ट्रैक क) (रेल और फस्टेनिंग्स) ख) स्लीपर ग) बलास्ट	 25 35 35	तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार
आर.ओ.बी./आर.यू.बी./लेवल क्रॅासिंग	60	रेलवे फाइनान्स कोड के अनुसार
लोको डिजल	36	
वैगन	30	
क्रैन	25	
अन्य सर्विस वेगन	30	
टॉवर वैगन	40	
इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग	15	

ix. वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में अभिवृध्दि/उनके निपटान के मामले में मूल्यह्रास अभिवृद्धि / निपटान की तारीख से / तक प्रभारित किया है। संपत्ति, प्लॅट और उपकरणों की शेष मूल्य, उपयोगी अवधि और मूल्यह्रास की प्रक्रियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की गई है और उपयुक्त होने पर प्रत्याशित प्रभाव से समायोजित की गई है।

x. भूमि अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त मुआवजा के संबंध में कोर्ट निर्णय पर ब्याज देय होगा जो भूमि लागत के लिए शामिल है और ब्याज के तौर पर इसे भूमि मुआवजा के भाग के रूप में भी विचारणीय है। जबकि कॉर्पोरेशन ने विशेष भूमि अधीग्रहण अधिकारी(एस एल ए ओ) द्वारा निर्धारित तथा उपलब्ध मूल्य के आधार पर मूल मुआवजा अदा किया है।

xi. संपत्ति, प्लॅांट और उपकरण तथा कोई महत्वपूर्ण पार्ट जब उनका निपटान या उसके उपयोग से भविष्य के किसी भी आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है तथा उससे लाभ या हानि नहीं होती है तो परिसंपत्ति की गैरमान्यता के कारण उसे आय विवरण में शामिल किया गया है।

सी) पूंजी कार्य में प्रगतिः

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण जो अभी तक उनके अभिप्रेत उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं उनकी लागत पर उन्हें दर्शाया गया है, जिनमें खरीद मूल्य सहित प्रत्यक्ष लागत, आयात शुल्क और गैर-वापसी योग्य खरीद कर, व्यापार छूट तथा अन्य छूट कटौती के संबंधित आकस्मिक व्यय और ब्याज की कटौती के बाद तथा पूंजीगत कार्य-प्रगति के रूप में दिखाए गए हैं।

वर्ष के अंत में कैपिटल इन्वेंट्री को पूंजी कार्य में प्रगति के तहत दर्शाया गया है।

डी). अमूर्त परिसंपत्तियां और परिशोधन-

i. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु की लागत को परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाएगी यदि, और केवल यदि:

यह संभव है कि आइटम से जुडे भविष्य के आर्थिक के परिणाम कंपनी पर होंगे; और

आइटम की लागत का विश्वसनीय रूप से मापन किया जा सकता है।

ii. अमूर्त परिसंपत्तियों कम परिशोधन /कम संचित ऋण परिशोधन/कम संचित ऋण परिशोधन /सकल वसूल दरों के संचित लागत पर स्पष्ट की गई है। वाणिज्यिक उत्पाद शुरु होने तक वित्तीय लागत सहित, विदेशी मुद्रा विनिमय अनुबंधों और पंजीकृत अमूर्त परिसंपत्तियों के कारण एक्सचेंज दर के भिन्नता से तैयार समायोजन पर सकल प्रभारों में सभी लागत शामिल है।

iii. बाद की लागतों को परिसंपत्ति की वहन राशि में शामिल किया जाता है या एक अलग परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है, यह तभी उचित है जब यह संभव हो कि आइटम से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ के परिणाम कंपनी पर होंगे और लागत का विश्वसनीय रूप से मापन किया जा सकता है।

iv. कंपनी की अमूर्त परिसंपत्तियों में सीमित उपयोगी अवधि वाली परिसंपत्तियां शामिल होती हैं जिनका परिशोधन उनके अपेक्षित उपयोगी अवधि की अवधि के स्ट्रेट-लाइन के आधार पर किया जाता है। अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन/मूल्यह्रास निम्नानुसार किया गया है:

v. पेटेंट, डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास खर्च को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में दर्ज किया है - उनकी उपयोग अवधि या 10 वर्ष के भीतर, जो भी कम हो।

vi. विशिष्ट कंप्यूटर सॉफ्टवेयर- 3 वर्ष की अवधि

vii. विकास (या किसी आंतरिक परियोजना के विकास चरण से) से उत्पन्न होने वाली एक अमूर्त परिसंपत्ति को मान्यता दी जाएगी यदि, और केवल तभी, यदि कोई कंपनी निम्नलिखित सभी को

प्रदर्शित कर सकती है:

(ए) अमूर्त परिसंपत्ति की तकनीकी व्यवहार्यता पूर्ण हो ताकि वह उपयोग या बिक्री के लिए उपलब्ध हो सके।

(बी) अमूर्त परिसंपत्ति सभी दृष्टि से पूर्ण हो ताकि उसका उपयोग किया जा सके या बेचा जा सके।

(सी) अमूर्त परिसंपत्तियों का उपयोग करने या बेचने की इसकी क्षमता होनी चाहिए।

(डी) अमूर्त परिसंपत्ति संभावित भविष्य के आर्थिक लाभ कैसे उत्पन्न करेगी। इसके अलावा, कंपनी अमूर्त परिसंपत्ति या स्वयं अमूर्त परिसंपत्ति के उत्पादन के लिए एक बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित कर सकती है या, यदि इसका आंतरिक रूप से उपयोग किया जाना है, तो अमूर्त परिसंपत्ति की उपयोगिता प्रदर्शित की जा सकती है।

(ई) विकास पूर्ण करने और अमूर्त परिसंपत्ति का उपयोग करने या बेचने के लिए पर्याप्त तकनीकी, वित्तीय और अन्य संसाधनों की उपलब्धता होनी चाहिए।

(एफ) इसके विकास के दौरान अमूर्त परिसंपत्ति के कारण होने वाले व्यय को विश्वसनीय रूप से मापने की इसकी क्षमता होनी चाहिए।

viii. अमूर्त परिसंपत्ति की मान्यता रद्द कर दी जाएगी:

(ए) निपटान पर; या

(बी) जब इसके उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं है।

ix. किसी अमूर्त परिसंपत्ति की मान्यता रद्द करने से होने वाले लाभ या हानि को शुद्ध निपटान आय और परिसंपत्ति की राशि के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है और परिसंपत्ति की मान्यता रद्द होने पर उसे लाभ और हानि के विवरण में शामिल किया जाता है।

इ.) वस्तुसूची-

i. वस्तुओं का मूल्य लागत या शुध्द वास्तविक मूल्य, जो भी कम हो। भारित औसत के आधार पर वस्तु सूची की लागत निर्धारित की गई है।

ii. विपूंजीकरण के माध्यम से मुक्त रेल, जो पुन: उपयोग योग्य हैं, का मूल्यांकन लिखित मूल्य के अनुसार किया जाता है।

iii. परियोजना और निर्माण से संबंधित चालू निर्माण कार्य उस कार्य के बड़े भाग के पूरा होने तक लागत के आधार पर और उसके पश्चात वास्तविक मूल्य जो भी कम हो उस पर मूल्यांकित किए गए हैं।

iv. लागत में इन्वेंट्री और अन्य लागतों को प्राप्त करने में किए गए व्यय शामिल हैं जो उन्हें अपने मौजूदा स्थान और स्थिति में लाने में खर्च किए गए हैं।

v. व्यापार के सामान्य प्रक्रियां में शुध्द वास्तविक मूल्य,अनुमानित बिक्री मूल्य से बिक्री व्यय कम करने के पश्चात लिया गया है।

एफ.) विदेशी मुद्रा संव्यवहार-

विदेशी मुद्रा लेनदेन शुरू में रिपोर्टिंग मुद्रा में दर्ज किए गए हैं,विदेशी मुद्रा पर लागू होने से लेनदेन की तारीख में रिपोर्टिंग मुद्रा और विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर के हिसाब से दर्ज किए गए हैं।

I. वर्ष के अंत में विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों को वर्ष के अंत की दरों पर पुनःदर्शाया गया है।गैर-मौद्रिक मदें जो एक विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्धित ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में ली जाती हैं उन्हें लेनदेन की तारीख में विनिमय दर का उपयोग करके दर्शाया किया गया है।

ii. निपटान या परिवर्तन करने पर विदेशी मुद्रा अंतर के कारण किसी आय या व्यय को उन मामलों को छोड़कर जहां वे स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित हों, लाभ-हानि लेखा में लिया जाता है, इन मामलों में इन्हें स्थायी परिसंपत्तियों की वहन लागत में समायोजित कर लिया जाता है।

iii. ऐसे मामलों में जहां वर्ष के अंत में मूल्यह्रास होने वाली परिसंपत्ति की ऐतिहासिक लागत विदेशी मुद्रा घट-बढ़ के कारण दीर्घ कालिक देयता में वृद्धि या कमी के परिणामस्वरुप परिवर्तित हो जाती है वहां संशोधित गैर परिशोधित मूल्यह्रास राशि पर पूंजीकरण के वर्ष से परिसंपत्ति की शेष उपयोग अवधि पर भावी रुप में मूल्यह्रास राशि प्रदान की जाती है।

जी. नियुक्ति के बाद और अल्पकालिक कर्मचारी लाभ -

I. परिभाषित लाभ योजनाएं

परिभाषित लाभ योजनाओं और अन्य नियुक्ति रोजगार लाभों के संबंध में दायित्व (मुख्य रूप से 01.01.2004 और ग्रैच्युइटी से पहले नियुक्त कर्मचारियों के लिए पेंशन) अनुमानित यूनिट क्रेडिट पध्दति का उपयोग करके गणना की जाती है और उस अवधि के दौरान योग्य अधिनियमों के अनुसार कर्मचारियों की सेवाओं से लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। लंबी अवधि के दायित्वों को अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाहों के वर्तमान मूल्य से मापा जाता है, फिर भी जोखिम मुक्त सरकारी बॉन्डों पर प्राप्त दर्शाती दरों पर छूट दी जाती है, जिनकी परिपक्वता तारीख होती है, निगम के दायित्वों की शर्तों का अनुमान लगाया जाता है।

बीमांकिक (एक्ट्रूयरियल) लाभ और हानि अन्य व्यापक आय में दर्शाए गए हैं। अल्पकालिक कर्मचारी लाभ दायित्वों को एक अपरिवर्तनीय आधार पर मापा जाता है और संबंधित प्रदान की गई सेवा के अनुसार खर्च किया गया है।

एक बीमांकिक मूल्यांकन में विभिन्न मान्यताओं को शामिल किया है जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकते हैं। इनमें छूट दर, भविष्य के वेतन में वृद्धि, उपस्थिति दर और मृत्यु दर का निर्धारण शामिल हैं। मूल्यांकन और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति में शामिल जटिलताओं के कारण, परिभाषित लाभ दायित्व इन धारणाओं के परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी मान्यताओं की समीक्षा की गई है।

ii. समाप्ति (टर्मिनेशन) लाभ:

सेवा समाप्ति लाभ को एक व्यय के रूप में माना जाता है, जब निगम को निष्कासन में वापस ले जाने की वास्तविक संभावना के बिना, सामान्य सेवानिवृत्ति की तारीख से पहले रोजगार समाप्त करने

या स्वैच्छिक प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रस्ताव के परिणामस्वरूप सेवा समाप्ति लाभ प्रदान करने की औपचारिक विस्तृत योजना के लिए प्रतिबद्ध है। अधिक स्वैच्छिकता के लिए सेवा समाप्ति लाभ एक व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है अगर निगम ने अधिक स्वैच्छिक को प्रोत्साहित करने की पेशकश की है, तो यह संभव है कि प्रस्ताव स्वीकार किया जाएगा और स्वीकार्यता की संख्या विश्वसनीय ढंग से अनुमान लगाया जा सकता है ।

iii. परिभाषित अंशदान योजनाएं-

निगम व्यक्तिगत कर्मचारियों के लिए कई राज्य योजनाओं और बीमा के संबंध में निश्चित अंशदान देता है। निगम के नियत अंशदान के अतिरिक्त अंशदान देने के लिए निगम का कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं है, जो उस अवधि में एक व्यय के रूप में पहचाना जाता है जो संबंधित कर्मचारी सेवाएं प्राप्त होती है।

iv. अनुपस्थिति की प्रतिपूर्ति छुट्टी

निगम की मौजूदा नीतियां अपने कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों को छुट्टी जमा करने और उनके अप्रयुक्त मुआवजे की अनुपस्थिति का एक हिस्सा आगे ले जाने और उन्हें भविष्य की अवधि में उपयोग या ऐसी नीतियों की शर्तों के अनुसार बदले में नकद प्राप्त करने की अनुमति देता है।

निगम वित्तीय स्थिति के विवरण पर जमा अप्रयुक्त पात्रता के परिणामस्वरूप अतिरिक्त राशि के रूप में प्रतिपूर्ति अनुपस्थिति को जमा करने की अपेक्षित लागत का मापन किया जाता है। इस तरह के मापन एक योग्य बीमांकक द्वारा किए गए वित्तीय स्थिति की तारीख के विवरण के रूप में बीमांकिक मूल्यांकन पर आधारित है।

निगम की परिभाषित लाभ योजना पर सेवा लागत कर्मचारी लाभ व्यय में शामिल है। कर्मचारी अंशदान, जो सभी सेवा के वर्षों की संख्या से स्वतंत्र हैं, इसे सेवा लागत में कमी के रूप में माना जाता है। शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व के पुनः मापन से उत्पन्न लाभ और हानि को लाभ और हानी विवरण में शामिल किया गया है। जिस अवधि में छुट्टी नकदिकरण व्यय किया है उसको उसी अवधि में दर्शाया गया है।

V. सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ:

कंपनी ने सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना कार्यान्वित है। इसमें न्यूनतम 20 वर्षों की सेवा के साथ सेवानिवृत्ति के समय पिछले महीने के मूल वेतन के बराबर एक बार के अंशदान देने पर कर्मचारियों और उनके पति या पत्नी के लिए यह लाभ योजना है । इस लाभकारी योजना का मूल्यांकन वास्तविक योग्यता द्वारा किया गया है। शुद्ध परिभाषित लाभ देनदारियों की मापन से प्राप्त लाभ और हानि को लाभ और हानि विवरण में शामिल किया गया है।

vi. अन्य कर्मचारियों को लाभ:

निगम की परिभाषित लाभ योजना की सेवा लागत को कर्मचारी लाभ व्यय में शामिल किया गया है। कर्मचारी योगदान, जो सभी सेवा के वर्षों की संख्या से स्वतंत्र हैं, जिसे सेवा लागत में कमी के रूप में माना जाता है। शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज व्यय को वित्त लागतों में शामिल किया गया है। शुद्ध परिभाषित लाभ देयता के पुनर्मापन से होने वाले लाभ और हानियाँ, होने वाली अवधि में अन्य व्यापक आय के रूप में शामिल हैं। इसके बाद की अवधि में लाभ या हानि के लिए पुनर्मापन के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाता है।

1.1.2004 को या उसके बाद सेवा में शामिल होने वाले कर्मचारी भारत सरकार द्वारा घोषित 'अंशदायी पेंशन योजना' द्वारा शासित होते हैं। उक्त योजना एक परिभाषित अंशदान योजना है और अंशदान को लाभ और हानि विवरण में शामिल किया गया है।

एच. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति-

कंपनी प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख को आकलन करती है कि अमूर्त परिसंपत्ति सहित कोई परिसंपत्ति के बारे में कोई यदि संकेत है, तो कंपनी परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। यदि परिसंपत्ति की ऐसी वसूली योग्य राशि या नकदी उत्पन्न यूनिट की वसूली योग्य राशि, जो परिसंपत्ति संबंधित है और वहन राशि से कम है, तो वहन करने वाली राशि को उसकी वसूली योग्य राशि तक कम कर दिया गया है। उक्त कमी हानि के रूप में मान्य की गई है और उसे लाभ-हानि खाते में दर्शाया गया है।)

निर्धारित वसूली योग्य राशि :

- व्यक्तिगत परिसंपत्ति के मामले में, परिसंपत्ति के उच्चतर उचित मूल्य में से बिक्री लागत और उपयोजित मूल्य को कम करना; और

- नकद निर्माण करने वाले यूनिट के मामले में (परिसंपत्ति का एक समूह जो पहचाना गया, स्वतंत्र नकदी प्रवाह उत्पन्न करता है), नकद निर्माण करने वाले यूनिट के उच्चतर उचित मूल्य में से बिक्री लागत और उपयोजित मूल्य को कम करना।
- उपयोजित मूल्य का आकलन करने के ममलें में, अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह के लिए कर- पूर्व छूट दर का उपयोग करके उसके वर्तमान मूल्य पर छूट दी गई है जो परिसंपत्ति के लिए निर्दिष्ट निधि और जोखिम के समय मूल्य के वर्तमान बाजार मूल्यांकन को दर्शाता है।उचित मूल्य लेस बिक्री के लिए मूल्य निर्धारण करने हेतु हाल ही के बाजार लेनदेन को ध्यान में रखा गया है। यदि इस प्रकार के लेनदेन को नहीं दर्शाया गया है तो उचित मूल्यांकन मॉडल का उपयोग किया गया है।

निरंतर परिचालन हानि हेतु ओसीआई के लिए किए गए पुनर्मूल्यांकन के साथ संपत्तियों के लिए पहले किए गए पुनर्मूल्यांकन के अलावा इनवेंटरीयों से होने वाली हानि, लाभ और हानि विवरण में दर्शाई गई है। इस तरह की संपत्तियों के लिए, ओसीआई में किसी भी पिछले पुनर्मूल्यांकन की राशि तक की हानि के लिए मान्यता दी गई है। जब कंपनी यह मानती है कि परिसंपत्ति की वसूली की कोई वास्तविक संभावनाएं नहीं हैं, तो संबंधित राशियों को बट्टे खाते में डाल दिया गया है। यदि बाद में हानि की मात्रा घट जाती है और हानि दर्शाने के बाद किसी ममलें से संबन्धित कमी को निष्पक्ष रूप से लाभ और हानि विवरण के माध्यम

से पिछली हानि के उलट दर्शाया गया है।

आई. पट्टे पर संपत्तिः

पट्टेदार के रूप में कंपनीः परिसंपत्तियों का वर्गिकरण मुख्य रूप से भूमि और भवनों,वाहनों,संयंत्र और उपकरण,आई.टी.परिसंपत्तियां इस प्रकार किया गया है। अनुबंध, या पट्टा यदि शामिल है, अनुबंध पहचान की गई परिसंपत्ति के उपयोग को समय की अवधि के लिए नियंत्रित करने,परिवर्तन के लिए विचार करने का अधिकार प्रदान करता है ।

यह आकलन करने के लिए कि क्या कोई अनुबंध किसी पहचानी गई परिसंपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है, कंपनी यह आकलन करती है कि क्याः (i) अनुबंध में एक चिन्हित परिसंपत्ति का उपयोग शामिल है (ii) कंपनी को पट्टे की अवधि के माध्यम से परिसंपत्ति के उपयोग से काफी आर्थिक लाभ होते हैं और (iii) कंपनी को परिसंपत्ति के उपयोग को निर्देशित करने का अधिकार है ।

पट्टे की शुरू होने की तारीख में, कंपनी सभी लीज व्यवस्थाओं के लिए राइट-ऑफ-यूज (आरओयू) परिसंपत्ति और संबंधित लीज लायबिलिटी को मान्यता देती है, जिसमें वे पट्टेदार शामिल है,जो केवल 12 महीने या उससे कम अवधि वाले पट्टों को छोड़कर (अल्पकालिक पट्टे) और कम मूल्य के पट्टे। इन अल्प-अवधि और कम मूल्य के पट्टों के लिए, कंपनी पट्टे के भुगतान को स्ट्रेट लाइन आधार पर परिचालन व्यय के रूप में मान्यता देती है।

कुछ पट्टे की व्यवस्था में पट्टे की अवधि समाप्त होने से पहले पट्टे का विस्तार या समाप्त करने के विकल्प शामिल हैं।आरओयू संपत्ति और पट्टे देनदारियां इन विकल्पों में शामिल है जब यह काफी निश्चित है कि वे प्रयोग किया जाएगा।

आरओयू परिसंपत्तियों को शुरू में लागत पर दर्शाया गया है, जिसमें पट्टे की प्रारम्भिक तारीख को या उसके पहले किए गए लीज भुगतान के लिए लीज देनदारियों हेतु समायोजित प्रारम्भिक राशि है, उसमें प्रारम्भिक डायरेक्ट लागत को जोड़कर उसमें से लीज इन्सेंटिव को कम करते हुए शामिल की है। बाद में उनका संचित मूल्यह्रास और हानि को कम करते हुए मापन गया है। आरओयू परिसंपत्तियों के लिए अंतर्निहित परिसंपत्ति के लीज अवधि और उपयोगी अवधि में से कम को स्ट्रेट-लाइन के आधार पर प्रारंभ तिथि से मूल्यह्रास कम किया गया है।

जब भी घटनाओं या परिस्थितियों में परिवर्तन के माध्यम से संकेत मिलता है कि उनकी वहन राशि पुनर्प्राप्त करने योग्य नहीं हो सकती है, तो आरओयू परिसंपत्ति का पुनर्प्राप्ति के लिए मूल्यांकन किया जाता है। हानि परीक्षण के उद्देश्य से, वसूली योग्य राशि (अर्थात अधिकतम उचित मूल्य से बिक्री की लागत और उपयोजित मूल्य को कम करते हुए) को व्यक्तिगत परिसंपत्ति के आधार पर निर्धारित किया जाता है जब तक कि उन

अन्य परिसंपत्ति से परिसंपत्ति नकदी प्रवाह उत्पन्न नहीं करती है जो मुख्यतः स्वतंत्र हैं। ऐसे मामलों में, नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई (सीजीयू) के लिए वसूली योग्य राशि निर्धारित की जाती है, जिसके पास संपत्ति है।

पट्टा देयता का मुख्यतः भविष्य के पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर परिशोधित लागत के अनुसार मापन किया गया है। पट्टे में अंतर्निहित ब्याज दर का उपयोग करते हुए पट्टे के भुगतान में छुट दी गई है या यदि यह आसानी से निर्धारित नहीं किया जाता है, तो इन पट्टों के अधिवास के देश में वृद्धिशील ऋण दरों का उपयोग करते हुए छुट दी गई है। पट्टे देनदारियों का संबंधित आरओयू परिसंपत्ति के अनुरूप समायोजन के साथ पुनः मापन किया गया है, यदि कंपनी एक्सटेंशन या समाप्ति विकल्प का उपयोग करती है तो कंपनी ने अपने आकलन को बदल दिया है।

पट्टे देनदारी और आरओयू परिसंपत्तियों को अलग-अलग बैलेंस शीट में प्रस्तुत किया गया है और पट्टे के भुगतान को वित्तीय नकदी प्रवाह के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

पट्टादाता के रूप में कंपनी: कंपनी पट्टेदार है जिसे वित्त या परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जब पट्टे की शर्तों ने पट्टेदार को स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को वस्तुतः स्थानांतरित कर दिया है, तो अनुबंध को वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अन्य सभी पट्टें परिचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत हैं। जब कंपनी मध्यम पट्टेदार होती है, तो वह अपने हितों के लिए प्रमुख पट्टे और उपठेके को अलग-अलग खाते में रखती है। उपठेके को मुख्य पट्टे से उत्पन्न होने वाली आरओयू संपत्ति के संदर्भ में वित्त या परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है। परिचालन पट्टों के लिए, किराए के आय को संबंधित पट्टे की अवधि के लिए स्ट्रेट-लाइन आधार पर मान्यता दी गई है

जे. वित्तीय साधनः

वित्तीय परिसंपत्तियाँ

प्रारंभिक मान्यता और मापन

वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के फलस्वरूप वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभ में उचित मूल्य में लेनदेन लागतों को शामिल करते हुए दर्शाया गया है। सिवाय व्यापार प्राप्य को छोड़कर, जिन्हें प्रारम्भ में लेनदेन मूल्य पर मान्यता दी गई है। वित्तीय परिसंपत्तियों की खरीद या बिक्री, जिसके लिए बाजार स्थान (नियमित तरीके से व्यापार) में विनियमन या कन्वेंशन द्वारा समय सीमा के भीतर परिसंपत्तियों के वितरण की आवश्यकता होती है, जिन्हें व्यापार की तारीख को दर्शाया गया है, अर्थात, वह तिथि जो, कंपनी परिसंपत्ति खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्ध है।

सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश

कंपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम में कम लागत पर कम हानि (यदि कोई है) में निवेश करने के लिए जिम्मेदार है।

अनुवर्ती मापन

अनुवर्ती मापन के प्रयोजनों के लिए, वित्तीय परिसंपत्तियों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया

है:

परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्ति

वित्तीय परिसंपत्तियों का बाद में परिशोधित लागत पर मापन किया गया है, इन वित्तीय परिसंपत्तियों को संविदात्मक नकदी प्रवाह को जमा करने की दिशा में इन परिसंपत्तियों को धारित करने के उद्देश्यों के साथ व्यापार मॉडल के अंतर्गत धारित किया है और वित्तीय परिसंपत्तियों के संविदात्मक शर्तें नकदी प्रवाह के निर्दिष्ट तिथियों पर वृद्धि दर्शाई है जो केवल मूलधन का भुगतान और बकाया मूल राशि पर ब्याज हैं।इन वित्तीय परिसंपत्तियों से ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर ("ईआईआर") विधि का उपयोग करके वित्त आय में शामिल किया है। इन परिसंपत्तियों पर उत्पन्न होने वाले हानि लाभ या हानि को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया गया है।

अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्ति :

वित्तीय परिसंपत्तियों का अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापन किया गया है, इन वित्तीय परिसंपत्तियों को व्यवसाय के अंतर्गत धारित किया गया है, जिसका उद्देश्य दोनों संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करके और वित्तीय परिसंपत्तियों की बिक्री तथा वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तों को नकद प्रवाह के लिए निर्दिष्ट तिथियों पर वृद्धि दर्शाई है जो केवल मूलधन का भुगतान और बकाया मूल राशि पर ब्याज हैं। धारित राशि की मूवमेंट ओसीआई के माध्यम से ली गई है, लाभ या हानि, ब्याज राजस्व और विदेशी मुद्रा लाभ तथा हानि जो लाभ और हानि के विवरण में दर्शाई गई है उसे छोड़कर लिया गया है। इक्विटी निवेश (सहायक कंपनियों और सहयोगियों में निवेश के अलावा) जो व्यापार के लिए धारित नहीं हैं, कंपनी ने ओसीआई में ऐसे उपकरणों के उचित मूल्य में बाद में परिवर्तन करने के लिए एक स्थिर चुनाव किया है। इस तरह का चुनाव कंपनी द्वारा मौजूदा इक्विटी उपकरणों/नए इक्विटी उपकरणों के लिए प्रारंभिक मान्यता के लिए संक्रमण के समय पर उपकरण के आधार द्वारा उपकरण पर किया गया है ।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्ति:

वित्तीय परिसंपत्तियों का लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापान किया गया है जब कि इसे परिशोधित लागत पर या प्रारंभिक मान्यता पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापन किया गया है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के कारण सीधी लेनदेन लागत तत्काल लाभ और हानि विवरण में दर्शाई गई है।

वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति:

भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार, कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि और क्रेडिट जोखिम पर हानि की पहचान करने और मापन के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस ("ईसीएल") मॉडल लागू करती है। कंपनी व्यापार प्राप्तियों पर हानि के लिए छूट की मान्यता के लिए 'सरलीकृत दृष्टिकोण' का पालन करती है। इससे निगम को क्रेडिट जोखिम के ट्रैक परिवर्तनों पर नजर रखने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, यह शुरूआत से ही कार्यकाल ईसीएल के आधार पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को हानि पर छूट की पहचान करता है। अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि और जोखिम के मामले में कंपनी यह निर्धारित करती है कि क्या

प्रारंभिक मान्यता के बाद और क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है या नहीं। यदि क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो 12 महीने के ईसीएल का उपयोग क्षतिग्रस्त हानि के उपलब्ध करने के लिए किया गया है। हालांकि, अगर क्रेडिट जोखिम काफी बढ़ गई है, तो कार्यकाल ईसीएल का उपयोग किया गया है । यदि, बाद की अवधि में, साधन की ऋण गुणवत्ता में सुधार होता है तो प्रारंभिक मान्यता के बाद से ऋण जोखिम में अब कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई है, तो एंटीटी 12 महीने के ईसीएल के आधार पर क्षतिग्रस्त हानि के लिए छुट को वापस दर्शाया है । ईसीएल सभी संविदात्मक नकदी प्रवाहों के बीच का अंतर है जो अनुबंध के अनुसार समूह के कारण और(यानी, सभी नकदी कमियां),सभी नकदी प्रवाह जो एंटीटी को प्राप्त होने की उम्मीद होती है उसके कारण होता है।

वित्तीय परिसंपत्तियों की मान्यता रद्द करना:

कंपनी किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तभी मान्यता रद्द देती है जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाते हैं, या यह वित्तीय परिसंपत्ति को हस्तांतरित करता है और संपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को किसी अन्य एंटीटी को हस्तांतरित करता है। यदि कंपनी न तो हस्तांतरण करती है और न ही स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को बरकरार रखती है और हस्तांतरित परिसंपत्ति को नियंत्रित करना जारी रखती है, तो कंपनी परिसंपत्तियों को बनाए रखने पर ब्याज और राशि के लिए एक संबद्ध देयता को पहचानती है जिसे उसे भुगतान करना पड़ सकता है। यदि कंपनी हस्तांतरित वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को काफी हद तक बरकरार रखती है, तो कंपनी वित्तीय परिसंपत्ति को मान्यता देती रहती है और प्राप्त आय के लिए जमानती(कोलैटरल)ऋण को भी मान्यता देती है।

<u>इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां:</u>

कंपनी द्वारा जारी वित्तीय देनदारियों और इक्विटी उपकरणों को अनुबंध में दर्ज की गई संविदात्मक व्यवस्थाओं के सार और वित्तीय देयता और इक्विटी साधन की परिभाषाओं के अनुसार वर्गीकृत किया गया है।

<u>इक्विटी उपकरण</u>

इक्विटी उपकरण, कोई भी अनुबंध है जो अपनी सभी देनदारियों को कम करने के बाद कंपनी की परिसंपत्तियों में शेष ब्याज का प्रमाण देता है। इक्विटी उपकरण जो नकद के लिए जारी किए गए हैं, जो प्राप्त, शुद्ध निर्गम लागत पर दर्ज किए गए हैं । इक्विटी उपकरण जो नकद के अलावा अन्य विचार के लिए जारी किए गए हैं, जो इक्विटी साधन के उचित मूल्य पर दर्ज किए गए हैं।

वित्तीय देनदारियां
प्रारंभिक मान्यता और अनुवर्ती मापन

वित्तीय देनदारियों को प्रारंभ में उचित मूल्य पर और ऋण लेने तथा देय के मामले में सीधे देय लागत का

शुद्ध रूप से मान्यता प्राप्त है।

वित्तीय देनदारियों को व्यावसायिक संयोजन में मान्यता प्राप्त विचारयोग्य आकस्मिकता के अलावा प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके परिशोधित लागत पर दर्शाया गया है, जिसका बाद में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापन किया गया है। तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर परिपक्व होने वाले व्यापार और अन्य देय, इन उपकरणों की कम अवधि परिपक्वता के कारण उसके अनुमानित उचित मूल्य को दर्शाया हैं।

वित्तीय देनदारियों की मान्यता रद्द करना

जब अनुबंध में निर्दिष्ट दायित्व का निर्वहन, रद्द या समाप्त हो जाता है तो वित्तीय देनदारियों की मान्यता रद्द कर दी गई है। जब किसी मौजूदा वित्तीय देयता को उसी ऋणदाता से किसी अन्य द्वारा काफी अलग-अलग शर्तों पर प्रतिस्थापित किया जाता है, या मौजूदा देयता की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन के लिए मूल देयता की मान्यता रद्द की गई है और नई देयता को मान्यता दी गई है। संबंधित राशियों के अंतर को लाभ और हानि विवरण में दर्शाया गया है।

वित्तीय देनदारियों का समायोजन करना

यदि मान्यता प्राप्त राशियों का समायोजन करने के लिए वर्तमान में लागू कानूनी अधिकार है और परिसंपत्ति प्राप्त करने और देनदारियों को एक साथ निपटाने के लिए शुद्ध आधार पर निपटान करने का इरादा है तो वित्तीय परिसंपत्तियां और वित्तीय देनदारियों का समायोजन किया है और शुद्ध राशि को बैलेंस शीट में दर्शाया गया है।

वित्तीय व्युत्पन्न -

वित्तीय व्युत्पन्न साधनों की शुरुआत उस तारीख को उचित मूल्य पर की जाती है जिस पर एक व्युत्पन्न अनुबंध दर्ज किया जाता है और बाद में उचित मूल्य पर पुनः मापन किया जाता है। व्युत्पन्न को वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय दायित्व के रूप में उचित मूल्य नकारात्मक होता है।

भारतीय लेखा मानक 109 के तहत व्युत्पन्न की परिभाषा को पूरा करने वाले खरीद अनुबंधों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है।

के. राजस्व अभिज्ञान-

निगम ग्राहकों को दी गई वचनबध्दता सेवाओं के हस्तांतरण को दर्शाने के लिए राजस्व की पहचान करता है। राजस्व को भारतीय लेखांकन मानक115 के अनुसार राजस्व दर्शाया गया है।

i. निगम द्वारा राजस्व को भारतीय लेखांकन मानक115 के अनुसार राजस्व दर्शाया गया है- ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व निम्नानुसार है:।

ii.ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व को तब दर्शाया जाता है जब माल या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को ऐसी राशि पर हस्तांतरित किया जाता है जो उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में दर्शायी जाती है। आम तौर पर, ग्राहक को माल की आपूर्ति पर नियंत्रण दिया जाता है या जब सामान ग्राहक को उपलब्ध कराया जाता है, बशर्ते कि ग्राहक को टाइटल प्रदान किया गया है और कंपनी ने अनुबंधों के संबंध में स्वामित्व या भविष्य के दायित्वों के किसी भी महत्वपूर्ण जोखिम को बरकरार नहीं रखा है।

iii. रिपोर्टिंग अवधि में प्रदर्शन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में प्रगति को मापकर सेवाओं के प्रतिपादन से प्राप्त राजस्व को समय के साथ पहचाना गया है। समय के साथ संतोषजनक प्रदर्शन दायित्व के लिए, राजस्व मान्यता प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि उक्त प्रगति को मापकर की गई है। प्रगति को आज तक की वास्तविक लागत और प्रदर्शन दायित्व के कारण कुल अनुमानित लागत के अनुपात के आधार पर मापा गया है।

कंपनी समय के साथ किसी वस्तु या सेवा का नियंत्रण स्थानांतरित कर देती है और इसलिए एक प्रदर्शन दायित्व को पूरा करती है तथा निम्नलिखित मानदंडों में से एक को पूरा करने पर उस अवधि में राजस्व को मान्यता देती है:

(ए) ग्राहक एक साथ कंपनी के प्रदर्शन का लाभ उठाता है या

(बी) ग्राहक परिसंपत्ति को नियंत्रित करता है क्योंकि यह कंपनी के प्रदर्शन द्वारा बनाया/बढ़ाया जा रहा है

(सी) परिसंपत्ति का कोई वैकल्पिक उपयोग नहीं है और कंपनी के पास कानूनी उदाहरण पर विचार करते हुए भुगतान का स्पष्ट या अंतर्निहित अधिकार है,

अन्य सभी मामलों में, प्रदर्शन दायित्व को उक्त समय में संतोषजनक माना गया है।

iv. राजस्व को संतोषजनक प्रदर्शन दायित्व के लिए आबंटित लेन-देन मूल्य की सीमा तक पहचाना गया है। लेन-देन मूल्य वह प्रतिफल राशि है जिसके लिए कंपनी किसी तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशि को छोड़कर किसी ग्राहक को वस्तु या सेवाएँ हस्तांतरित करने के बदले में हकदार होने की उम्मीद करती है। कंपनी लेन-देन मूल्य के हिस्से के रूप में परिवर्तनीय मूल्य को शामिल करती है जब परिवर्तनीय मूल्य की राशि का उचित अनुमान लगाने का आधार होता है और जब यह संभव होता है कि मान्यता प्राप्त संचयी राजस्व का एक महत्वपूर्ण परिवर्तन तब नहीं होगा जब परिवर्तनीय मूल्य से जुडी अनिश्चितता का समाधान किया जाता है। परिवर्तनीय मूल्य का अनुमान अपेक्षित मूल्य पद्धति या किसी दिए गए परिस्थिति में उपयुक्त संभावित राशि का उपयोग करके लगाया जाता है। ग्राहक के साथ सहमत भुगतान शर्तें व्यावसायिक अभ्यास के अनुसार होती हैं और वित्तपोषण घटक, यदि महत्वपूर्ण हो, तो उसे लेन-देन मूल्य से अलग किया जाता है और ब्याज आय के रूप में हिसाब में लिया जाता है। कंपनी जहां भी संभव हो, इनपुट पद्धति द्वारा प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा

में प्रगति का मापन करती है।

v. कई मामलों में, कंपनी को अपने ग्राहकों से अल्पकालिक अग्रिम प्राप्त होता है।
कंपनी एक महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक के लिए प्रतिबद्ध राशि को समायोजित नहीं करती है, यदि यह अपेक्षा है कि अनुबंध के अनुसार ग्राहक को वस्तु या सेवा के हस्तांतरण और भुगतानकर्ता ग्राहकों की प्राप्ति के बीच की अवधि एक वर्ष होगी या कम होती है।
vi. कंपनी को ग्राहकों से लंबी अवधि के अग्रिम भी प्राप्त होते हैं। अंतर ब्याज से उत्पन्न अतिरिक्त आय को निगम के लिए वित्त आय के रूप में मान्यता दी जाती है।
vii. अनुबंध शेष:
व्यापार प्राप्य: व्यापार प्राप्य यह उस राशि पर कंपनी का बिना शर्त अधिकार दर्शाता है और निगम ने भारतीय लेखांकन मानक 115 के प्रावधानों के अनुरूप ही इसका हिसाब रखा है।

अनुबद्ध पर परिसंपत्तियाँ और देयताएँ: अनुबद्ध पर परिसंपत्तियाँ, जो ग्राहक को वस्तु और सेवाओं को हस्तांतरण द्वारा प्रदर्शित करती है, जो भुगतान से पहले या जिसका भुगतान देय हो। निगम को अनुबद्ध को अनुबद्ध पर परिसंपत्तियों के रूप में दर्शना होगा, प्राप्य राशि के रूप में दर्शाई गई राशि को छोडकर।

अनुबंध देयताएँ, ग्राहक को वस्तु या सेवाओं को हस्तांतरित करने का दायित्व हैजिसके लिए कंपनी को ग्राहक से सम्मति (या राशि देय है) प्राप्त हुई है। यदि कोई ग्राहक कंपनी से वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करने से पहले सम्मति देता है, तो भुगतान किए जाने पर या भुगतान देय होता है (जो भी पहले हो) तो अनुबंध देयता को मान्यता दी जाती है। जब कंपनी अनुबंध के तहत प्रदर्शन करती है तो अनुबंध देयताओं को राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है ।

Viii निगम ने स्डैंडलोन वित्तीय विवरण तैयार करते समय पूर्वोक्त प्रावधान का अनुपालन किया है।

ix. निगम ने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करते समय पूर्वोक्त प्रावधान का अनुपालन किया है।

ix. अनुबंध संशोधन: इस वर्ष के दौरान कोई अनुबंध संशोधित नहीं किए गए थे, इसलिए अनुबंधों को अलग और विशिष्ट के रूप में मान्यता प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं थी।

x. रेलवे व्यवसाय से होने वाला यातायात अर्जन माल और यात्री यातायात से प्राप्त होता है। माल से प्राप्त अर्जन रेलवे नेटवर्क पर माल की ढुलाई के लिए सिस्टम के माध्यम से उत्पन्न रेलवे प्राप्तियों से संबंधित है। यात्री अर्जन यात्री द्वारा बुक किए गए टिकट से संबंधित है।

xi. प्रदर्शन कार्य-निष्पादन दायित्व: रेलवे द्वारा एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर माल की आवाजाही के लिए माल की बुकिंग के लिए रेलवे रसीद (आरआर) तैयार की जाती है। एक बार आरआर तैयार हो जाने के बाद, रेलवे का दायित्व है कि रेलवे रसीद के अनुसार निर्धारित स्थान तक सामग्रियों को पहुंचाना।

xii. यात्रियों द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर रेलवे नेटवर्क पर टिकट (सीट) बुक किए जाने के बाद यात्री से राजस्व प्राप्ति को मान्यता दी जाती है। रेलवे द्वारा आवंटित सीट पर संबंधित यात्री को यात्रा का विशेष

अधिकार दिया जाता है। रेलवे इस आरक्षित सीट को किसी अन्य व्यक्ति को तब तक आवंटित नहीं कर सकती है जब तक कि पहले व्यक्ति द्वारा इसे रद्द नहीं किया जाता है। निर्दिष्ट तिथि को यात्री द्वारा यात्रा करना रेलवे का प्रदर्शन दायित्व है।

xiii. यात्री को सीट बुक करते समय100% किराया देना होगा। इसमें और कोई परिवर्तन पर विचार नहीं किया जाता है। इसमें कोई महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक शामिल नहीं है।यात्री द्वारा आरक्षण करने पर गंतव्य स्थान तक संरक्षित यात्रा की जिम्मेदारी रेलवे लेती है।

xiv. माल और किरायों के हिसाब से सभी रेलवे द्वारा एकत्र किए गए राजस्व को उस रेलवे पर ट्रेन द्वारा तय की गई दूरी के लिए प्रत्येक रेलवे को राजस्व का हिस्सा आवंटित करने के लिए सीआरआईएस द्वारा संचालित एक कम्प्यूटरीकृत कार्यक्रम के माध्यम से संसाधित किया जाता है। केआरसीएल के लिए, सेंट्रल रेलवे केआरसीएल और अन्य सभी रेलवे के बीच बकाया के निपटान के लिए नोडल एजेंसी है। सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से केआरसीएल और मध्य रेलवे के बीच मासिक निपटान के आधार पर केआरसीएल द्वारा अनुमानित आय के अनुसार राजस्व बुक किया जाता है। प्रति माह केआर स्टेशनों पर एकत्र किए गए राजस्व को प्रारंभिक अर्जन के रूप में माना जाता है और इसे खाता बहियों में शामिल किया जाता है।

उपरयुक्त ट्रीटमेंट प्रदर्शन के दायित्व से संबंधित भारतीय लेखांकन मानक 115 के प्रावधान के अनुरूप है।

xv. स्क्रैप की बिक्री, पुराना माल या अपशिष्ट सामग्री की बिक्री की वसूली होने समय पर ही हिसाब में लिया जाता है।

xvi. रक्षा/पुलिस विभाग द्वारा जारी किए गए वारंटों के नकदीकरण पर प्राप्त कमीशन को उपार्जन के आधार पर स्वीकार किया जाता है।

xvii. प्रभावी ब्याज दर (ई.आई.आर.) के अनुसार ब्याज आय को मान्यता दी गई है। लाभ और हानि विवरण में ब्याज आय को वित्त आय में शामिल किया गया है।

xviii. आम तौर पर जब शेयरधारक लाभांश के लिए मंजूरी देते हैं तब निगम को भुगतान प्राप्त करने के लिए अधिकार प्राप्त होते हैं और लाभांश आय को मान्यता प्राप्त होती है

एल. ठेकेदारों के दावे-

i. ठेकेदारों द्वारा लागत में वृद्धि के दावे विधिवत सत्यापन के बाद स्वीकार किए जाने पर ही हिसाब में लिए जाते हैं।
ii. कार्य पूरा होने में देरी/ खराब कार्य होने पर ठेकेदार से आवश्यकता पर दंड की वसूली की जाती है।

एम. प्रावधानः-

प्रावधान को तब मान्यता दी जाएगी जब:

(ए) किसी भी कंपनी के पास पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) है;
(बी) यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बहिर्प्रवाह की आवश्यकता होगी; और
(सी) दायित्व की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है। यदि ये शर्तें पूरी नहीं होती हैं, तो किसी भी प्रावधान को मान्यता नहीं दी जाएगी।

तुलन पत्र की तारीख को विद्यमान सभी अविवादित देयताओं (विधि या रचनात्मक) के लिए प्रावधान किए जाते हैं।

मापन में पर्याप्त आकलन शामिल करने वाले प्रावधानों को प्रमाणित किया जाता है, जब पिछली घटनाओं के परिणाम स्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और संभव है कि संसाधनों का आउटफ्लो होगा।

वारंटी/ दोष या रखरखाव के दायित्व के संबंध में आकस्मिकता के लिए कोई प्रावधान नहीं है, जहां निगम ने एक ही दायित्व के लिए उप-ठेकेदार के साथ पुनः की व्यवस्था की है और यहां यह सुनिश्चित होगा कि उप-ठेकेदार द्वारा इस तरह की देयता अच्छी हो जाएगी।

एन. आकस्मिक देयाताएं तथा आकस्मिक परिसंपत्तियां-

i. आकस्मिक दायित्व निम्न के मामले में प्रकट की गई हैः-

क) बाध्यता को दूर करने के लिए संसाधनों का बर्हिगमन अपेक्षित होना संभव न होने पर पूर्व घटना से प्राप्त वर्तमान बाध्यता।
ख) यह एक संभव दायित्व है जब तक कि संसाधनों का बर्हिगमन की संभाव्यता न होने पर संभाव्य बाध्यित होता है।

ii. खराबी या रखरखाव दायित्व के लिए आकस्मिकता दायित्व प्रकट नहीं किया जाता है जबकि जब कॉर्पोरेशन दायित्व के लिए उप ठेकेदार के साथ नियमित व्यवस्था करेगा और इस प्रकार के दायित्व को उप ठेकेदार से निश्चित तौर पर सुनिश्चित करेगा।

iii. प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख में आकस्मिकताओं की समीक्षा की जाती है और प्रकट की गई सही प्रबंधकीय प्राक्कलन हेतु समायोजित किया जाता है।

iv. स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों में आकस्मिक परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी गई है।
तथापि जब आय की प्राप्ति लगभग निश्चित होती है तो संबंधित परिसंपत्ति आकस्मिक परिसंपत्ति नहीं होती है और उन्हे उचित मान्यता दी जाती है।

ओ. आयकर:

आयकर में वर्तमान और आस्थगित आयकर शामिल हैं। आयकर को लाभ और हानि के विवरण में व्यय या आय के रूप में मान्यता दी गई है, सिवाय इसके कि जो इक्विटी में या ओसीआई में सीधे दर्शाए गए मदों से संबंधित है।

1) वर्तमान आयकर

आयकर अधिनियम,1961 के प्रावधानों के अनुसार चालू अवधि के लिए वर्तमान आय कर परिसंपत्तियां या दायित्व की गणना कर योग्य आय और कर क्रेडिट के आधार पर निर्धारित की जाती हैं। वर्तमान आयकर परिसंपत्तियों और देनदारियों को कराधान प्राधिकरणों से वसूली या भुगतान की जाने वाली राशि पर गणना की गई है। राशि की गणना करने के लिए उपयोग की गई कर की दरें और कर कानून, रिपोर्टिंग तिथि पर अधिनियमित या निश्चित रूप से अधिनियमित किए गए हैं।

2) आस्थगित आयकर

आस्थगित कर तुलन-पत्र परिप्रेक्ष्य से लागू करके निर्धारित किया गया है । मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों की राशि दर्शाए गए वित्तीय विवरणों के बीच कटौती योग्य अस्थायी अंतर के लिए और उनसे संबन्धित कर आधार पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को दर्शाया गया है।आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों की गणना अधिनियमित कर दरों या कर दरों का उपयोग करके की गई है जो तुलन-पत्र की तारीख में वास्तविक रूप से अधिनियमित की गई है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और कर दरों में परिवर्तन की देनदारियों पर प्रभाव उस अवधि में दर्शाया गया है जिसमें अधिनियमन की तारीख शामिल है । आस्थगित कर परिसंपत्तियों को केवल इस सीमा तक मान्यता दी गई है कि यह संभव है कि भविष्य में कर योग्य लाभ प्राप्त होगा जिसके लिए अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है। पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख में ऐसी परिसंपत्तियों की समीक्षा की गई है । आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों की भरपाई तब होती है जब वर्तमान कर परिसंपत्तियों और देनदारियों की भरपाई के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार होता है ।

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और कर देनदारियां बदल सकती हैं जहां या तो शुद्ध आधार पर या परिसंपत्ति जारी करने तथा एक साथ देयता का निपटान करने के लिए एंटीटी को कानूनी रूप से अधिकार है और ।

पी. वर्तमान और गैर- वर्तमान वर्गीकरण:

कॉर्पोरेशन वर्तमान और गैर-वर्तमान वर्गीकरण के आधार पर तुलन-पत्र में परिसंपत्ति और दायित्वों को प्रस्तुत करता है।

वर्तमान के रूप में परिसंपत्ति जब :

- वह सामान्य परिचालन सायकल में इसकी बिक्री या खपत के लिए मान्य होगी।
- मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य के लिए धारित की है।
- रिपोर्टिंग अवधि के बारह महीने के भीतर यह प्राप्त होनी है, या
- नकद या नकद के समान का आदान-प्रदान जब तक प्रतिबंधित न हो या रिपोर्टिंग अवधि के बाद न्यूनतम बारह महीनों के लिए दायित्व के निपटान के हेतु इसका उपयोग जाए।

अन्य सभी परिसंपत्तियों को गैर-वर्तमान रूप में वर्गीकृत किया गया है

जब वर्तमान देनदारियाँ होती है :

• इसका सामान्य परिचालन साइकिल में निपटान किया जाना अपेक्षित है ।

- इसे मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य के लिए रखा जाता है।
- इसका रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर निपटान किया जा सकता है, या
- रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम 12 महीनों के लिए देनदारियों के निपटान स्थगित कराने के लिए शर्ते रहित कोई अधिकार नहीं होगा ।

अन्य सभी देनदारियाँ गैर- वर्तमान के रूप में वर्गीकृत की है।
स्थगित कर परिसंपत्ति और देनदारियों को गैर- वर्तमान परिसंपत्तियों और देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

क्यू. ऋण लागत:

ऋण लागत सीधे परिसंपत्ति के अर्जन, निर्माण कार्य या उत्पादन के लिए मानी जाएगी, जो आवश्यक पर्याप्त अवधि मानकर परिसंपत्ति लागत के हिस्से के रूप में उपयोग या बिक्री के लिए वर्गीकृत की जाती है। अन्य सभी ऋण लागत उसी अवधि में खर्च हुए है। ऋण लेने की लागत में ब्याज और अन्य लागतें शामिल हैं, जो ऋण निधि से संबधीत है। ऋण लागत विनिमय भिन्नता के साथ शामिल है जिसे ऋण लागत में समायोजित किया है।

आर. सरकारी अनुदान

सरकार अनुदान मान्यता प्राप्त है जहां उचित आश्वासन दिया जाता है कि अनुदान प्राप्त होगा और सभी संलग्न शर्तों का अनुपालन किया जाएगा। जब अनुदान एक व्यय वस्तु से संबंधित होता है, तो उसे उस अवधि के दौरान व्यवस्थित आधार पर आय के रूप में पहचाना जाता है और जिसके लिए संबंधित लागत को इसे क्षतिपूर्ति करना है जिसे व्यय किया जाता है। जब अनुदान किसी संपत्ति से संबंधित होता है तो यह संबंधित संपत्ति के अपेक्षित उपयोगी अवधि पर समान मात्रा में आय के रूप में पहचानी जाती है।

एस. नकदी और नकदी समकक्ष:

नकदी और नकदी समकक्षों में, कंपनी के पास नकदी, बैंकों में नकदी, अल्पकालिक जमा और अल्पकालिक अत्यधिक तरल निवेश शामिल होते हैं जो नकदी की ज्ञात राशि में आसानी से परिवर्तनीय होते हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के मामूली जोखिम के अधीन होते हैं।

टी. प्रति शेयर अर्जन:

प्रति शेयर बेसिक आय की गणना इस अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के कारण अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि को विभाजित करके की गई है। इस अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण के अलावा बोनस शेयरों जैसी घटनाओं के लिए समायोजित किया गया है, जिसने संसाधनों में इसी परिवर्तन के बिना बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या को बदल दिया है ।

प्रति शेयर तकुकृत आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के कारण अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि को विभाजित करके गणना की गई है और बेसिक इक्विटी और भारित औसत इक्विटी शेयर की संख्या

प्राप्त करने के लिए भारित औसत इक्विटी संख्या पर विचार किया गया है,जो सभी तनूकृत पोटेन्शियल इक्विटी शेयर के रूपान्तरण के अंतर्गत जारी किए गए है।

प्राप्य को प्राप्त करने के लिए तनुकृत पोटेन्शियल इक्विटी शेयरों को समायोजित किया गया है, इक्विटी शेयरों को वास्तव में उचित मूल्य पर जारी किया गया था (अर्थात बकाया इक्विटी शेयरों का औसत बाजार मूल्य)।

यू. व्यापार प्राप्तियां और व्यापार देय

व्यापार प्राप्तियां

यदि यह बिक्री किए गए सामानों या व्यवसाय के सामान्य रूप में प्रदान की गई सेवाओं के कारण देय राशि के संबंध में है तो उस प्राप्य को 'व्यापार प्राप्य' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। व्यापार प्राप्तियों को प्रारंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी गई है और बाद में ईआईआर विधि का उपयोग करके हानि के लिए प्रावधान को कम करके परिशोधित लागत पर मापन किया गया है।

व्यापार देय

यदि खरीदे गए सामानों या व्यवसाय सामान्य कार्यप्रणाली में प्राप्त सेवाओं के कारण देय राशि के संबंध में देय है तो उसे 'व्यापार देय' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह राशियां वित्तीय वर्ष के अंत से पहले कंपनी को प्रदान की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के लिए देनदारियों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो अदत्त हैं। यह राशियां असुरक्षित हैं और आमतौर पर अनुबंध में दी गई भुगतान की शर्तों के अनुसार तय की गई हैं। व्यापार और अन्य देय को वर्तमान देनदारियों के रूप में प्रस्तुत किया गया है जब तक कि रिपोर्टिंग अवधि के 12 महीने के भीतर भुगतान देय नहीं किया गया है। शुरू में उन्हें अपने उचित मूल्य पर दर्शाया गया हैं और बाद में ईआईआर विधि का उपयोग कर परिशोधित लागत पर मापन किया गया है।

वी. बिक्री के लिए रखी गई गैर-वर्तमान संपत्तियां (या निपटान समूह)

गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों (या निपटान समूहों) को बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब उनकी वहन राशि मुख्य रूप से बिक्री लेन-देन के माध्यम से पुनर्प्राप्त की जानी होती है और बिक्री को अत्यधिक संभावित माना जाता है। बिक्री को अत्यधिक संभावित तभी माना जाता है जब परिसंपत्ति या निपटान समूह अपनी वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हो, यह संभावना नहीं है कि बिक्री वापस ले ली जाएगी और वर्गीकरण की तारीख से एक वर्ष के भीतर बिक्री की उम्मीद है। बिक्री के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत निपटान समूहों को बिक्री की लागत घटाकर वहन राशि और उचित मूल्य के निचले स्तर पर बताया गया है।

एक बार बिक्री के लिए वर्गीकृत किए जाने के बाद परिसंपत्ति संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों का मूल्यह्रास या परिशोधन नहीं किया जाता है। बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियों को वित्तीय स्थिति के विवरण में अलग से प्रस्तुत किया जाता है। यदि भारतीय लेखांकन मानक 105 के मानदंड के अनुसार "बिक्री के लिए रखी गई गैर-वर्तमान परिसंपत्ति और बंद किए गए संचालन" निपटान समूह को बिक्री के लिए अधिक समय लगता है तो ऐसी परिसंपत्ति को बिक्री के लिए राखी गई परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

गैर-वर्तमान परिसंपत्ति जिसे बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, उसे (i) परिसंपत्ति को बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत करने से पहले उसकी वहन राशि को मूल्यह्रास के लिए समायोजित करके मापा जाता है, जिसे मान्यता दी गई होती यदि उस परिसंपत्ति को बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया होता और (ii) उस तारीख पर इसकी वसूली योग्य राशि जब निपटान समूह को बिक्री के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

पूर्व अवधि की त्रुटियाँ

पूर्व अवधि की महत्वपूर्ण त्रुटियों को प्रस्तुत पूर्व अवधि के लिए तुलनात्मक मात्रा को पुनर्स्थापित करके पूर्वव्यापी रूप से ठीक किया गया है, जिसमें त्रुटि हुई थी। यदि त्रुटि उक्त अवधि से पहले हुई है, तो उस अवधि के लिए परिसंपत्तियों, देनदारियों और इक्विटी के प्रारंभिक शेष को पुनः दर्शाया गया है।